BSES

बीएसईएस ने शुरु किया माय कूल आइडिया अभियान

इन टिप्स को आजमायें, बिजली व पैसे बचाएं

नई दिल्ली: 24 मई, 2011। दिल्ली में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले दुगुने से भी ज्यादा हो गई है। देश में प्रति व्यक्ति बिजली की औसत खपत जहां सालाना 700 यूनिट के आसपास है, वहीं यह खपत दिल्ली में प्रति व्यक्ति सालाना 1615 यूनिट हो गई है। तेजी से बढ़ रही बिजली की मांग को देखते हुए बीएसईएस ने माय कूल आइडिया नामक एक जागरूरकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत, उपभोक्ताओं को बताया जा रहा है कि वे कैसे इस भीषण गर्मी में एसी– कूलर का लुत्फ उठाते हुए भी, बिजली की बचत कर सकते हैं। और साथ ही, अपना बिजली बिल कम कर सकते हैं।

बिजली बचत को बढ़ावा देने और इससे संबंधित नए सुझावों और विचारों को जानने के लिए बीएसईएस विभिन्न आरडब्ल्यूए के साथ बैठकें कर रही हैं। इसकी अगली कड़ी में, स्कूली बच्चों के बीच भी इस अभियान को ले जाया जाएगा। इस सिलसिले में स्कूलों के प्रबंधन को पत्र लिखा जा रहा है। बीएसईएस ने अपनी वेबसाइट पर मायकूलआइडिया नाम से एक लिंक भी डाल दिया है, जहां उपभोक्ता और स्कूली बच्चे बिजली बचत के बारे में अपने सुझाव दे सकते हैं।

सौर कंट्रोल फिल्म/ स्पेशल पेंट

- अपने घरों की खिड़कियों पर सौर कंट्रोल फिल्म लगवाएं और छत को सफेद रंग से पेंट कर दें या उस पर सफेद टाइल्स लगवा दें। इससे आपके घर का तापमान में 80 प्रतिशत की कमी आयेगी और बिजली की खपत में 30–50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। उल्लेखनीय यह भी है कि आपके कमरे को ठंडा करने के लिए आपके एसी को कम मेहनत करनी पड़ेगी। बिजली कम खर्च होगी, तो आपका बिल भी कम आएगा। जानकारों के मुताबिक, सोलर फिल्म और छत को सफेद बनाने से आपके एसी के बिल में 5 से 10 प्रतिशत की कमी आ सकती है।
- रेजीडेंसियल और कमर्शियल छत को सफेद रंग से पेंट करानें या उस पर सफेद टाइल्स लगवाने से एयरकंडीशन से होने वाले बिजली की खपत मे 20 प्रतिशत की कमी आयेगी। एक्सपर्ट के अनुसार 1000 स्कावयर फीट छतों पर सफेद मटैरियल लगाने से 10 मीट्रिक टन ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कमी होगी।
- घर की दीवारों को पौधों से ढककर भी बिजली की खपत को कम किया जा सकता है। एसी थर्मोस्टैट को 25 डिग्री सेल्सियस पर सेट करें, ताकि कम से कम कीमत पर बेतहर आराम मिले।
- एयर कंडीशंड वाले कमरे का दरवाजा बंद रखें। परिवार के लोग अलग–अलग न सोकर, एक ही कमरे में सोएं। 15 दिनों पर एसी फिल्टर की सफाई करें। जब उपयोग में न हो, तो एसी को स्विच ऑफ कर दें।
- खिड़कियों पर सौर कंट्रोल फिल्म लगवाने और छत को सफेद रंग से पेंट करने पर, आपका फ्रिज भी बिजली की कम खपत करेगा। सुनिश्चित करें कि आपका फ्रिज गर्मी वाले स्थान से दूर हो। उस पर सूर्य की सीधी रोशनी न पड़े। हवा के निर्बाध आवागमन के लिए रेफ्रिजरेटर के आसपास पर्याप्त जगह छोड़ें। यदि मैनुअल डिफ्रॉस्ट फ्रिज है, तो नियमित रूप से फ्रीजर कंपार्टमेंट को डिफ्रॉस्ट करते रहें। अपने रेफ्रिजरेटर के दरवाजे को लंबे समय तक खुला न छोड़ें। डोर गैस्केट की स्थिति को समय समय पर चेक करते रहें।
- खिड़कियों सौर कंट्रोल फिल्म पर लगवाने से कि अल्ट्रा वायलेट किरणें भी आपके घर में नहीं आ पाएंगी। इससे आप बीमारियों से भी बचे रहेंगे। उल्लेखनीय है कि अल्ट्रा वायलेट किरणों से त्वचा का कैंसर भी हो सकता है।

लाइटिंग सिस्टम

- जब उपयोग में न हो, बत्ती बंद कर दें। जहां तक संभव हो, टास्क लाइटिंग का विकल्प चुनें। जहां रोशनी की जरूरत होगी,वहीं पर यह केंद्रित रहेगी। साधारण बल्बों की जगह ऊर्जा कुशल एलईडी लगवाएं, जो 90 प्रतिशत

तक कम बिजली का उपयोग करती हैं। इसके अलावा, बल्ब, ट्यूब लाइट्स आदि को नियमित तौर पर साफ करते रहें, ताकि अधिक रोशनी मिले।

माइक्रोवेव

- आम ओवन की जगह माइक्रोवेव ओवन लगवाकर, इस मद में बिजली की काफी बचत की जा सकती है। सलाह यह भी है कि आप चीजों को गर्म करके ओवन में डालें, ताकि ओवन कम बिजली की खपत करे। बड़े व मोटे आइटमों को बाहर की तरफ रखें क्योंकि माइक्रोवेव डिश को बाहर से बीच की तरफ पकाता है।

कंप्यूटर

- जब उपयोग में न हो, तो कंप्यूटर को ऑफ कर दें। खपत हुई कुल बिजली का आधा से अधिक हिस्सा मॉनिटर उपयोग कर लेता है। यदि आपको कंप्यूटर ऑन भी रखना हो, तो भी मॉनिटर को तो ऑफ कर ही दें। स्क्रीन सेवर बिजली की कोई बचत नहीं करते। कंप्यूटर को स्टार्ट करने और शट डाउन करने में बिजली का अतिरिक्त उपयोग नहीं होता और न ही इससे कंप्यूटर को कोई नुकसान पहुंचता है। इसलिए, उपयोग में न होने पर कंप्यूटर को शट डाउन करना जहां सिस्टम की सेहत के लिए अच्छा है, वहीं यह बिजली भी बचाता है।

स्विच ऑफ करने की आदत डालें

- डीवीडी प्लेयर, टीवी, एसी और मोबाइल फोन चार्जर जैसे उपकरणों को स्टैंड–बाय मोड पर न रखें क्योंकि आपका बिजली मीटर ऐसी स्थिति में भी बिजली की खपत को रेकॉर्ड करता है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि रिमोट कंट्रोल से उपकरणों को स्विच ऑफ करने (स्टैंड– बाय मोड में रखने) से दिल्ली में 175 मेगावॉट बिजली बरबाद हो जाती है।
- आईएसआई मार्क वाले, और ऊर्जा कुशल उपकरण (बीईई रैंकिंग युक्त) खरीदें ताकि बिजली की खपत कम हो सके।

बिजली बचाने से इससे पर्यावरण का फायदा होगा, सो अलग। क्योंकि, बिजली प्राकृतिक संसाधनों से बनती है। और, आप बिजली की जितनी कम खपत करेंगे, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उतना कम होगा।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने अपने उपभोक्ताओं से यह भी अपील की है कि वे अपना सैंक्शंड लोड बढ़वाएं। इससे उन्हें बेहतर व गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति मिलेगी और ब्रेक डाउन्स भी कम होंगे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 3999415 / 9350130304